



The
ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily
NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Saturday, July 18, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- **भारत-फिनलैंड** ने डिजिटलीकरण, एआई, 6जी, क्वांटम प्रौद्योगिकियों और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार किया
- **ब्रिक्स देशों** ने बेंगलुरु में भारत की अध्यक्षता के दौरान मानकीकरण सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- **उच्चतम न्यायालय** ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की शीघ्र रिहाई के लिए नीति तैयार करने का निर्देश दिया
- **आरबीआई वित्तीय समावेशन सूचकांक** मार्च 2026 में बढ़कर 70.0 हो गया, जो निरंतर वित्तीय समावेशन प्रगति को दर्शाता है
- युद्धकालीन सरकार में फेरबदल के बीच **सेरही कोरेत्स्की** को यूक्रेन का प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया
- **अमेरिका** ने **APKWS II** गाइडेंस किट के साथ सऊदी अरब को लगभग 2 बिलियन डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी
- प्रसिद्ध **इस्लामी विद्वान जॉन एल एस्पोजिटो** का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया
- **इन-स्पेस** ने रिलायंस जियो के 1,600-उपग्रह लो अर्थ ऑर्बिट तारामंडल को मंजूरी दी
- **टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स** गुजरात में भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन प्लांट लॉन्च करेगा
- **सीरम इंस्टीट्यूट** ने प्रायोगिक क्षय रोग वैक्सीन विकसित करने के लिए गेट्स एमआरआई के साथ साझेदारी की

भारत और फिनलैंड ने डिजिटलीकरण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार करने का निर्णय लिया



- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हेलसिंकी, फिनलैंड की आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और फिनलैंड डिजिटलीकरण, उभरती प्रौद्योगिकियों, व्यापार, निवेश, नवाचार और अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) में द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने पर सहमत हुए हैं।
- यात्रा के दौरान, पीयूष गोयल ने फिनलैंड के उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री रिक्का पुरा और आर्थिक मामलों के मंत्री सकारी पुइस्तो के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। दोनों पक्षों ने प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (भारत-यूरोपीय संघ एफटीए) के तहत अवसरों की खोज करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), 6जी, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, स्थिरता, स्टार्टअप और नवाचार में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान हेलसिंकी में दो संस्थागत समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और भारत-फिनलैंड बिजनेस फोरम पर हस्ताक्षर भी हुए।

भारत-फिनलैंड संबंध:

- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1949।

भारत और फिनलैंड निम्नलिखित में सहयोग करते हैं:

- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी)।
- दूरसंचार प्रणाली।
- स्वच्छ ऊर्जा।
- चक्रीय अर्थव्यवस्था।
- शिक्षा और अनुसंधान।
- डिजिटल नवाचार।
- सतत विकास।
- आर्कटिक अनुसंधान और जलवायु अध्ययन।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के बारे में:

- भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं जिसका उद्देश्य है:
- द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि।

- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना।
- निवेश को बढ़ावा देना।
- आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करना।
- डिजिटल व्यापार, स्थिरता और प्रौद्योगिकी में सहयोग का विस्तार करना।
- एफटीए से फिनलैंड सहित यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के साथ भारत के व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

फिनलैंड के बारे में:

- राजधानी: हेलसिंकी।
- मुद्रा: यूरो (€)।
- आधिकारिक भाषाएँ: फिनिश और स्वीडिश।
- प्रधान मंत्री: पेतेरी ओपो।
- राष्ट्रपति: अलेक्जेंडर स्टब।
- सदस्य: यूरोपीय संघ (ईयू), नाटो, शेंगेन क्षेत्र, ओईसीडी और यूरोजोन।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- फिनलैंड को 5जी/6जी अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और दूरसंचार में अपने नेतृत्व के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है।
- फिनलैंड नोकिया का घर है, जो दुनिया की अग्रणी दूरसंचार प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है।
- भारत और फिनलैंड भविष्योन्मुखी आर्थिक जुड़ाव के हिस्से के रूप में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में सहयोग का विस्तार कर रहे हैं।
- भारत-यूरोपीय संघ एफटीए से यूरोपीय संघ के सभी 27 सदस्य देशों के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है।
- फिनलैंड लगातार नवाचार, शिक्षा, डिजिटल शासन और स्थिरता में दुनिया के अग्रणी देशों में शुमार है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भारत और फिनलैंड।
- स्थान: हेलसिंकी, फिनलैंड।
- भारतीय प्रतिनिधि: पीयूष गोयल।
- फिनिश प्रतिनिधि: रिक्का पुरा और सकारी पुइस्तो।
- प्रमुख क्षेत्र: एआई, 6जी, क्वांटम प्रौद्योगिकियां, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, स्टार्टअप, स्थिरता, डिजिटलीकरण।
- व्यापार कार्यक्रम: भारत-फिनलैंड व्यापार मंच।

- संबंधित समझौता: भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)।
- राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1949।
- फिनलैंड की राजधानी: हेलसिंकी।
- मुद्रा: यूरो (€)।

- आधिकारिक भाषाएँ: फिनिश और स्वीडिश।
- प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी: नोकिया।

ब्रिक्स देशों ने बेंगलुरु में मानकीकरण पर ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



- भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत, ब्रिक्स सदस्य देशों ने बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित ब्रिक्स राष्ट्रीय मानकीकरण निकायों (NSB) के प्रमुखों की 5वीं बैठक के दौरान मानकीकरण में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता सभी 11 ब्रिक्स सदस्य देशों के राष्ट्रीय मानक निकायों के बीच सहयोग के लिए पहला औपचारिक संस्थागत ढांचा स्थापित करता है। इसका उद्देश्य सूचना साझा करने, तकनीकी सहयोग, क्षमता निर्माण, मानकों का सामंजस्य और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग को बढ़ाना है, जिससे व्यापार को सुविधाजनक बनाया जा सके और वैश्विक मानक-निर्धारण में ब्रिक्स की सामूहिक भूमिका को मजबूत किया जा सके।

महत्त्व:

- ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार के लिए तकनीकी बाधाओं को कम करता है।
- गुणवत्ता के बुनियादी ढांचे और उत्पाद इंटरऑपरेबिलिटी में सुधार करता है।
- वैश्विक मानकों को तैयार करने में विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आवाज को मजबूत करता है।
- नवाचार, विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत विकास का समर्थन करता है।
- ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत के नेतृत्व को मजबूत करता है।

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के बारे में:

- स्थापित: 1987।
- मूल मंत्रालय: उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- महानिदेशक: संजय गर्ग

- वैधानिक आधार: भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016।

कार्य:

- भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय।
- भारतीय मानक (आईएस) तैयार करता है।
- आईएसआई मार्क के माध्यम से उत्पाद प्रमाणन।
- सोने और चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग।
- अनुरूपता मूल्यांकन और गुणवत्ता आश्वासन।

ब्रिक्स के बारे में:

- ब्रिक्स प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी समूह है जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास, व्यापार, वित्त, प्रौद्योगिकी, सतत विकास और वैश्विक शासन में सहयोग को बढ़ावा देना है।

वर्तमान सदस्य (11):

- ब्राज़िल
- रूस
- भारत
- चीन
- दक्षिण अफ्रीका
- मिस्र
- इथियोपिया
- ईरान
- इंडोनेशिया
- सऊदी अरब
- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- ब्रिक्स की स्थापना वर्ष 2009 में हुई थी (दक्षिण अफ्रीका 2010 में ब्रिक्स में शामिल हुआ, जिससे यह ब्रिक्स बन गया)।

न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB):

स्थापित: 2014।
राष्ट्रपति: डिल्मा रूसेफ
मुख्यालय: शंघाई, चीना।
उद्देश्य: बुनियादी ढांचे और सतत विकास परियोजनाओं को वित्तपोषित करना।

आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था (CRA):

- भुगतान संतुलन के दबाव के दौरान सदस्य देशों को तरलता सहायता प्रदान करने के लिए 2014 में स्थापित।

अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन:

ISO (मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन): मुख्यालय – जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
आईईसी (अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रोटेक्निकल कमीशन): मुख्यालय – जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
बीआईएस आईएसओ और आईईसी दोनों में भारत का प्रतिनिधित्व करता है।

गुणवत्ता अवसंरचना (QI) की अवधारणा में शामिल हैं:

- मानकीकरण।
- मेट्रोलॉजी।

- प्रत्यायना
- अनुरूपता मूल्यांकन।
- भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के मानकों पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

कार्यक्रम: राष्ट्रीय मानकीकरण निकायों के ब्रिक्स प्रमुखों की 5वीं बैठक।
स्थान: बेंगलुरु, कर्नाटक।
अध्यक्षता: भारत (ब्रिक्स 2026)।
प्रमुख परिणाम: मानकीकरण में सहयोग पर ब्रिक्स समझौता ज्ञापन।
भारतीय एजेंसी: भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)।
मूल मंत्रालय (बीआईएस): उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय।
बीआईएस मुख्यालय: नई दिल्ली।
बीआईएस अधिनियम: भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016
ब्रिक्स सदस्य: 11.
एनडीबी मुख्यालय: शंघाई, चीना।
आईएसओ मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
आईईसी मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड।

उच्चतम न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की शीघ्र रिहाई के लिए नीति तैयार करने का निर्देश दिया



- भारत के उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को निर्देश दिया है कि वे तीन महीने के भीतर वृद्ध और असाध्य रूप से बीमार कैदियों की शीघ्र या समय से पहले रिहाई के लिए एक व्यापक नीति तैयार करें और अधिसूचित करें।

- न्यायालय ने एक जनहित याचिका (पीआईएल) का फैसला करते समय संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का उपयोग किया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा का अधिकार कारावास के दौरान भी जारी रहता है।
- न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और आवेदनों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया को ई-जेल पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाए।

निर्णय के उद्देश्य:

- बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार कैदियों के साथ गरिमा और मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करना।
- अनुकंपा रिहाई के लिए एक समान राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करना।
- समय से पहले रिलीज के लिए आवेदनों पर विचार करने में देरी को कम करें।

- डिजिटल निगरानी के माध्यम से पारदर्शिता में सुधार करें।
- संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप जेल सुधारों को बढ़ावा देना।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए प्रमुख निर्देश:

- प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को तीन महीने के भीतर एक व्यापक नीति को अधिसूचित करना होगा।
- नीति को रिलीज के लिए वस्तुनिष्ठ पात्रता मानदंड को परिभाषित करना चाहिए।
- एक पारदर्शी और समयबद्ध तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए।
- ई-प्रिजन पोर्टल के माध्यम से मामलों को डिजिटल रूप से ट्रैक किया जाना चाहिए।
- ढांचे को पूरे देश में निष्पक्षता, जवाबदेही और स्थिरता सुनिश्चित करनी चाहिए।

संवैधानिक महत्व:

- अनुच्छेद 21: जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है, जिसमें सम्मान के साथ जीने का अधिकार भी शामिल है।
- अनुच्छेद 142: सर्वोच्च न्यायालय को पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी डिक्ली या आदेश पारित करने का अधिकार देता है।
- फैसले में दोहराया गया है कि संवैधानिक अधिकार जेल के गेट पर समाप्त नहीं होते हैं, और कारावास मानवीय गरिमा को समाप्त नहीं करता है।

कैदियों की समय से पहले रिहाई के बारे में:

- समय से पहले रिहाई से तात्पर्य पूरी सजा पूरी होने से पहले एक दोषी कैदी की रिहाई से है, जिसके अधीन:

- अच्छा आचरण।
- वैधानिक छूट नीतियां।
- दयालु या मानवीय आधार।
- सक्षम अधिकारियों की सिफारिशें।
- लागू राज्य छूट नीतियां।

यह इससे अलग है:

- पैरोल: सजा के निलंबन के बिना अस्थायी रिहाई।
- फरलो: पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को बनाए रखने के लिए समय-समय पर दी जाने वाली अस्थायी छुट्टी।
- छूट: किसी वाक्य की प्रकृति को बदले बिना उसकी अवधि में कमी।

ई-प्रिजन परियोजना के बारे में:

- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) के तहत एक मिशन मोड परियोजना।
- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा कार्यान्वित किया गया।
- जेल प्रशासन और कैदियों के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करता है।
- जेल प्रबंधन, कानूनी प्रक्रियाओं और कैदियों की जानकारी की ऑनलाइन निगरानी की सुविधा प्रदान करता है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- अनुच्छेद 72: निर्दिष्ट मामलों में सजा को क्षमा, राहत, राहत, छूट, निलंबन या कम करने की राष्ट्रपति की शक्ति।
- अनुच्छेद 161: किसी राज्य के राज्यपाल द्वारा प्रयोग की जाने वाली समान क्षमादान शक्तियां।
- संविधान की सातवीं अनुसूची की राज्य सूची (सूची II) की प्रविष्टि 4 के तहत कारागार राज्य का विषय है।
- मॉडल जेल मैनुअल, 2016 जेल प्रशासन, पुनर्वास, कानूनी सहायता, स्वास्थ्य देखभाल और कैदियों के कल्याण पर दिशानिर्देश प्रदान करता है।
- जेल अधिनियम, 1894 भारत में जेल प्रशासन को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कानून बना हुआ है, हालांकि कई राज्यों ने आधुनिक जेल कानूनों को अधिनियमित या प्रस्तावित किया है।
- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत पात्र कैदियों को निशुल्क विधिक सहायता प्रदान करता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- न्यायालय: भारत का सर्वोच्च न्यायालय।
- खंडपीठ: न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता।
- लाभार्थी: बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार कैदी।
- समय सीमा: तीन महीने।
- संवैधानिक अनुच्छेद: 21, 72, 142, 161।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म: ई-प्रिजन पोर्टल।
- मूल मंत्रालय (ई-कारागार): गृह मंत्रालय।
- द्वारा कार्यान्वित: राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी)।
- कारागार विषय: राज्य सूची (प्रविष्टि 4, सूची II)।
- मुख्य कानून: जेल अधिनियम, 1894
- दिशानिर्देश: मॉडल जेल मैनुअल, 2016।

आरबीआई का वित्तीय समावेशन सूचकांक बढ़कर 70.0 हो गया, जो वित्तीय समावेशन में निरंतर प्रगति को दर्शाता है।



- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने बताया है कि मार्च 2026 में भारत का वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-इंडेक्स) सुधरकर 70.0 हो गया, जो मार्च 2025 में 67.0 था, जो औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच और उपयोग के विस्तार में निरंतर प्रगति का संकेत देता है।
- यह सुधार मुख्य रूप से उच्च उपयोग और वित्तीय सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता से प्रेरित था, जो देश भर में गहन वित्तीय समावेशन को दर्शाता है।
- एफआई-इंडेक्स आरबीआई द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है और बैंकिंग, बीमा, निवेश, पेंशन और डाक क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन की सीमा को मापता है।

वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-सूचकांक) के बारे में:

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय समावेशन का व्यापक उपाय प्रदान करने के लिए भारत सरकार और अन्य हितधारकों के परामर्श से वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-सूचकांक) विकसित किया है।

प्रमुख विशेषताएं:

- अगस्त 2021 में पेश किया गया (मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए)।
- 0 से 100 तक का समग्र सूचकांक।
- 0 = पूर्ण वित्तीय बहिष्करण।
- 100 = पूर्ण वित्तीय समावेशन।
- कोई आधार वर्ष नहीं।

इसमें कई क्षेत्र शामिल हैं जिनमें शामिल हैं:

• बैंकिंग
• सुरक्षा-कवच
• निवेश
• पेंशन
• डाक बचत

FI-इंडेक्स के पैरामीटर:

- यह सूचकांक तीन व्यापक आयामों के तहत 97 संकेतकों पर आधारित है:

• प्राचल	वेटेज
• पहुंच (वित्तीय सेवाओं की उपलब्धता)	35%
• उपयोग (वित्तीय उत्पादों और सेवाओं का वास्तविक उपयोग)	45%
• गुणवत्ता (वित्तीय साक्षरता, उपभोक्ता संरक्षण, सेवा की गुणवत्ता)	20%

- नवीनतम सुधार मुख्य रूप से बेहतर उपयोग और गुणवत्ता के कारण था, यह दर्शाता है कि लोग केवल बैंक खाते खोलने के बजाय डिजिटल भुगतान, क्रेडिट, बीमा और अन्य वित्तीय सेवाओं का तेजी से उपयोग कर रहे हैं।

वित्तीय समावेशन का समर्थन करने वाली सरकारी पहल:

• प्रधान मंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई)
• प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेबीबीवाई)।
• प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई)।
• अटल पेंशन योजना (एपीवाई)
• प्रधान मंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)।
• स्टैंड-अप इंडिया योजना।
• डिजिटल इंडिया मिशन।
• यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)।
• प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी)।
• इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी)।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

• भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI):
• स्थापना: 1 अप्रैल 1935।
• राष्ट्रीयीकृत: 1 जनवरी 1949।
• मुख्यालय: मुंबई।
• भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत स्थापित।

वित्तीय समावेशन का उद्देश्य निम्नलिखित तक सस्ती पहुंच सुनिश्चित करना है:

• बचत खाते।
• मानना।
• सुरक्षा-कवच।
• पेंशन।
• भुगतान और प्रेषण सेवाएं।

- प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) 28 अगस्त 2014 को बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- सूचकांक: वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-सूचकांक)।
- द्वारा जारी: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)।
- नवीनतम स्कोर (मार्च 2026): 70.0।
- पिछला स्कोर (मार्च 2025): 67.0।
- पेश किया गया: अगस्त 2021।

- स्केल: 0-100।
- आयाम: पहुंच (35%), उपयोग (45%), गुणवत्ता (20%)।
- कवर किए गए संकेतक: 97.
- आरबीआई मुख्यालय: मुंबई।
- भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934
- प्रमुख वित्तीय समावेशन योजना: प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई)।

युद्धकालीन सरकार में फेरबदल के बीच सेरही कोरेत्स्की को यूक्रेन का प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया



- यूक्रेन की संसद (वेरखोव्ना राडा) ने एक बड़े सरकारी फेरबदल के हिस्से के रूप में राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की द्वारा नामित किए जाने के बाद, देश के नए प्रधान मंत्री के रूप में सेरही कोरेत्स्की को मंजूरी दे दी है।
- कोरेत्स्की, जिन्होंने पहले यूक्रेन की राज्य के स्वामित्व वाली तेल और गैस कंपनी नेफ्टोगाज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्य किया था, को चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष के एक महत्वपूर्ण चरण में सरकार का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया है, विशेष रूप से सर्दियों से पहले देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में।

सेरही कोरेत्स्की के बारे में:

- यूक्रेनी व्यवसायी और ऊर्जा क्षेत्र के कार्यकारी।
- यूक्रेन की सबसे बड़ी सरकारी तेल और गैस कंपनी नेफ्टोगाज़ के पूर्व सीईओ।
- पहले यूक्रेन की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी उक्रनाफ्टा का नेतृत्व किया था।
- पेट्रोलियम और ऊर्जा क्षेत्र में दो दशकों से अधिक का अनुभव है।
- उनकी नियुक्ति एक लंबे कॉर्पोरेट करियर के बाद उनका पहला बड़ा सरकारी कार्यालय है।

यूक्रेन के प्रधान मंत्री के बारे में:

- प्रधानमंत्री यूक्रेन सरकार के प्रमुख हैं।

- मंत्रियों के मंत्रिमंडल का नेतृत्व करता है, जो सर्वोच्च कार्यकारी प्राधिकरण है।
- राष्ट्रपति द्वारा नामित और Verkhovna Rada (संसद) द्वारा अनुमोदित।
- सरकारी नीतियों को लागू करने, अर्थव्यवस्था के प्रबंधन और मंत्रालयों के समन्वय के लिए जिम्मेदार।

यूक्रेन के बारे में:

- राजधानी: कीव।
- मुद्रा: यूक्रेनी रिव्निया (UAH)।
- आधिकारिक भाषा: यूक्रेनी।
- राष्ट्रपति: वलोडिमिर ज़ेलेंस्की।
- संसद: वेरखोव्ना राडा (एकसदनीय विधायिका)।
- पड़ोसी देश: पोलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, रोमानिया, मोल्दोवा, बेलारूस और रूस।
- प्रमुख जल निकाय: काला सागर और आज़ोव का सागर।

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए महत्व:

- यह नियुक्ति रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हुई है, जो फरवरी 2022 में रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के साथ शुरू हुआ था।
- यूक्रेन को यूरोपीय संघ (ईयू), नाटो सदस्यों, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे भागीदारों से सैन्य, वित्तीय और मानवीय सहायता प्राप्त हो रही है।
- ऊर्जा लचीलापन यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध के बाद की पुनर्निर्माण रणनीति के केंद्र में बना हुआ है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- वेरखोव्ना राडा यूक्रेन की एकसदनीय संसद है।

- सोवियत संघ के विघटन के बाद 1991 में यूक्रेन एक स्वतंत्र देश बन गया।
- Naftogaz यूक्रेन की राज्य के स्वामित्व वाली तेल और गैस कंपनी है और देश के ऊर्जा क्षेत्र में एक रणनीतिक भूमिका निभाती है।
- यूक्रेन संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का संस्थापक सदस्य है।
- यूक्रेन को जून 2022 में यूरोपीय संघ (ईयू) के उम्मीदवार का दर्जा दिया गया था।
- नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) की स्थापना 1949 में हुई थी और इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में है।
- काला सागर वैश्विक व्यापार, ऊर्जा परिवहन और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: यूक्रेन।

अमेरिका ने रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए सऊदी अरब को लगभग 2 अरब डॉलर के हथियारों की बिक्री को

मंजूरी दी



यह खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका (US) ने सऊदी अरब को \$ 1.96 बिलियन के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस समझौते का उद्देश्य सऊदी अरब की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा बढ़ाना है।

मुख्य विचार

- देश: संयुक्त राज्य अमेरिका (US)
- क्रेता: सऊदी अरब
- द्वारा स्वीकृत: अमेरिकी विदेश विभाग
- सौदे का मूल्य: लगभग \$1.96 बिलियन
- हथियार प्रणाली: उन्नत परिशुद्धता मार हथियार प्रणाली (APKWS) II मार्गदर्शन किट
- उद्देश्य: अनगाइडेड रॉकेटों को सटीक-निर्देशित हथियारों में परिवर्तित करना।

• नए प्रधान मंत्री: सेरही कोरेत्स्की।
• राष्ट्रपति: वलोडिमिर ज़ेलेंस्की।
• पिछली स्थिति: सीईओ, नेफ्टोगाज़।
• संसद: वेरखोवना राडा।
• राजधानी: कीव।
• मुद्रा: यूक्रेनी रिव्निया (UAH)।
• आधिकारिक भाषा: यूक्रेनी।
• रणनीतिक मुद्दा: रूस-यूक्रेन संघर्ष और ऊर्जा सुरक्षा।
• यूरोपीय संघ के उम्मीदवार की स्थिति: 2022 में दी गई।

• अतिरिक्त पैकेज: स्पेयर पार्ट्स, रखरखाव उपकरण, प्रशिक्षण, रसद सहायता और तकनीकी सहायता।
• एडवांस्ड प्रिसिजन किल वेपन सिस्टम (APKWS) II के बारे में
• प्रकार: संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा विकसित लेजर-निर्देशित हथियार प्रणाली।
• समारोह: 70 मिमी अनगाइडेड रॉकेट को सटीक-निर्देशित रॉकेट में परिवर्तित करता है।
• लाभ: संपार्श्विक क्षति को कम करते हुए लक्ष्यीकरण सटीकता में सुधार करता है।
• उपयोगकर्ता: अमेरिकी सेना और कई संबद्ध देशों द्वारा संचालित।

सऊदी अरब के बारे में:

• राजधानी: रियाद
• मुद्रा: सऊदी रियाल (SAR)
• राजभाषा: अरबी
• राजा: सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद
• क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री: मोहम्मद बिन सलमान
• प्रमुख जल निकाय: लाल सागर और फारस की खाड़ी
• पड़ोसी देश: जॉर्डन, इराक, कुवैत, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान और यमन।

महत्व

- यह हथियार समझौता संयुक्त राज्य अमेरिका और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों का जवाब देने की सऊदी अरब की क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है और रक्षा सहयोग के माध्यम से मध्य पूर्व में स्थिरता बनाए रखने की अमेरिकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- अमेरिकी कांग्रेस: समीक्षा करने और यदि आवश्यक हो, तो प्रमुख विदेशी हथियारों की बिक्री को रोकने का अधिकार है।
- सऊदी अरब: रक्षा उपकरणों के दुनिया के सबसे बड़े आयातकों में से एक।
- अमेरिकी विदेश विभाग: अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों के अनुरूप विदेशी सैन्य बिक्री की देखरेख करता है।
- APKWS: जमीनी लक्ष्यों के खिलाफ सटीक हमलों के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- देश: सऊदी अरब
- विक्रेता: संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस)
- द्वारा स्वीकृत: अमेरिकी विदेश विभाग
- सौदे का मूल्य: लगभग \$1.96 बिलियन
- हथियार प्रणाली: उन्नत परिशुद्धता मार हथियार प्रणाली (APKWS) II
- उद्देश्य: बिना निर्देशित रॉकेटों को सटीक-निर्देशित हथियारों में बदलें।
- अगला कदम: अमेरिकी कांग्रेस द्वारा समीक्षा।
- उद्देश्य: सऊदी अरब की रक्षा क्षमताओं और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करना।

प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान जॉन एल एस्पोजिटो का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया



यह खबरों में क्यों है?

- इस्लाम और मुस्लिम-ईसाई संबंधों पर दुनिया के अग्रणी विद्वानों में से एक जॉन एल एस्पोजिटो का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह अपनी पुस्तकों, शोध और अकादमिक कार्यों के माध्यम से पश्चिमी दुनिया में इस्लाम की बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए व्यापक रूप से जाने जाते थे।

- लिखी गई पुस्तकें: 50 से अधिक पुस्तकों को लिखा या संपादित किया गया, जिनमें इस्लाम: द स्ट्रेट पाथ, द इस्लामिक ग्रेट: मिथ या रियलिटी?, और हू स्पीक्स फॉर इस्लाम शामिल हैं?

जॉन एल. एस्पोजिटो के बारे में

- जन्म: 1940, संयुक्त राज्य अमेरिका
- विशेषज्ञता का क्षेत्र: इस्लाम, राजनीतिक इस्लाम, मध्य पूर्व अध्ययन और अंतरधार्मिक संबंध।
- योगदान: इस्लाम पर अकादमिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- मान्यता: इस्लामी अध्ययन पर सबसे प्रभावशाली पश्चिमी विद्वानों में से एक माना जाता है।

मुख्य विचार

- व्यक्ति: John L. Esposito
- राष्ट्रीयता: अमेरिकी
- व्यवसाय: इस्लाम के विद्वान, लेखक और प्रोफेसर
- के लिए जाना जाता है: इस्लाम के अध्ययन को बढ़ावा देना और मुसलमानों और पश्चिम के बीच समझ में सुधार करना।
- पद: धर्म और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के विश्वविद्यालय प्रोफेसर; प्रिंस अलबलीद बिन तलाल सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिश्चियन अंडरस्टैंडिंग (ACMCU) के संस्थापक निदेशक।

महत्व

- जॉन एल एस्पोजिटो के काम ने इस्लाम के बारे में गलत धारणाओं का मुकाबला करने में मदद की और विभिन्न धर्मों के बीच संवाद को प्रोत्साहित किया। उनके शोध और प्रकाशन दुनिया भर के विद्वानों, नीति निर्माताओं और छात्रों को प्रभावित करना जारी रखते हैं।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- प्रिंस अलबलीद बिन तलाल सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिश्चियन अंडरस्टैंडिंग (ACMCU): इस्लाम, ईसाई धर्म और अंतरधार्मिक संवाद पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में स्थापित।

- अंतरधार्मिक संवाद: शांति और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न धर्मों के अनुयायियों के बीच सहयोग और समझ को संदर्भित करता है।
- राजनीतिक इस्लाम: एस्पोजिटो के प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों में से एक, राजनीति और समाज में इस्लाम की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- व्यक्ति: John L. Esposito
- राष्ट्रीयता: अमेरिकी
- व्यवसाय: इस्लाम के विद्वान और लेखक
- के लिए जाना जाता है: अनुसंधान और लेखन के माध्यम से इस्लाम और मुस्लिम-ईसाई संबंधों की समझ को बढ़ावा देना।

इन-स्पेस ने रिलायंस जियो के 1,600-उपग्रह लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) तारामंडल को मंजूरी दी



यह खबरों में क्यों है?

- भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने रिलायंस जियो को 1,600 उपग्रहों से युक्त लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) उपग्रह तारामंडल स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों सहित पूरे भारत में उच्च गति उपग्रह-आधारित ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करना है।

मुख्य विचार

- संगठन: भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस)
- कंपनी: रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म लिमिटेड
- परियोजना: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) उपग्रह नक्षत्र
- उपग्रहों की संख्या: 1,600 तक
- कक्षा: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)
- उद्देश्य: पूरे भारत में उपग्रह-आधारित ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करना।
- लक्षित क्षेत्र: सीमित इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले दूरस्थ, ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्र।
- अनुमोदन: भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों के तहत IN-SPACe द्वारा प्रदान किया गया प्राधिकरण।

इन-स्पेस के बारे में

- फुल फॉर्म: इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर।

- स्थापित: 2020।
- मुख्यालय: अहमदाबाद, गुजरात।
- मूल विभाग: अंतरिक्ष विभाग (डीओएस), भारत सरकार।
- भूमिका: भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को बढ़ावा देता है, अधिकृत करता है और विनियमित करता है।

लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) के बारे में

- ऊंचाई: पृथ्वी की सतह से लगभग 160 किमी से 2,000 किमी ऊपर।
- लाभ: कम संचार देरी (विलंबता), तेज इंटरनेट गति और बेहतर कवरेज।
- उपयोग: उपग्रह इंटरनेट, पृथ्वी अवलोकन, नेविगेशन और वैज्ञानिक अनुसंधान।

महत्व

- यह मंजूरी भारत के बढ़ते निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में एक बड़ा कदम है। इससे दूरदराज के क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार, डिजिटल विभाजन को पाटने और भारत के उपग्रह संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की उम्मीद है।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- सैटेलाइट इंटरनेट: उपग्रहों के माध्यम से ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जिससे उन क्षेत्रों में इंटरनेट तक पहुंच संभव हो जाती है जहां फाइबर या मोबाइल नेटवर्क अनुपलब्ध हैं।
- अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार: अंतरिक्ष गतिविधियों में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 2020 में भारत सरकार द्वारा पेश किया गया।
- इन-स्पेस: निजी अंतरिक्ष मिशनों और बुनियादी ढांचे को अधिकृत करने के लिए एकल-खिड़की एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- संगठन: इन-स्पेस

- कंपनी: रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म लिमिटेड
- परियोजना: LEO उपग्रह नक्षत्र
- उपग्रहों को स्वीकृत: 1,600 तक
- कक्षा: लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)
- उद्देश्य: उपग्रह आधारित ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं

- इन-स्पेस मुख्यालय: अहमदाबाद, गुजरात
- मूल विभाग: अंतरिक्ष विभाग (DoS)

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन प्लांट लॉन्च करेगा



यह खबरों में क्यों है?

- टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स परिपक्व-नोड (पुरानी पीढ़ी) तकनीक का उपयोग करके भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन (फैब) संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है। इस सुविधा का उद्देश्य घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देना और आयातित चिप्स पर भारत की निर्भरता को कम करना है।

मुख्य विचार

- कंपनी: टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स
- परियोजना: भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन (फैब) संयंत्र
- प्रौद्योगिकी: परिपक्व-नोड (पुरानी पीढ़ी) अर्धचालक प्रौद्योगिकी
- स्थान: धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर), गुजरात
- उद्देश्य: भारत के भीतर सेमीकंडक्टर चिप्स का निर्माण करना और देश के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना।
- फोकस: ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, औद्योगिक उपकरण, बिजली प्रबंधन और संचार उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले चिप्स।
- महत्व: भारत की सेमीकंडक्टर विनिर्माण पहल के तहत यह एक प्रमुख मील का पत्थर है।

सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन प्लांट (फैब) के बारे में

- अर्थ: एक अर्धचालक निर्माण संयंत्र, या फैब, एक ऐसी सुविधा है जहां सिलिकॉन वेफर्स पर एकीकृत सर्किट (कंप्यूटर चिप्स) का निर्माण किया जाता है।

- प्रयुक्त प्रौद्योगिकी: परिपक्व-नोड तकनीक, जिसका व्यापक रूप से विश्वसनीय और लागत प्रभावी चिप्स बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।
- अनुप्रयोग: ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्टफोन, घरेलू उपकरण, चिकित्सा उपकरण, औद्योगिक मशीनरी और दूरसंचार उपकरण।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में

- मूल कंपनी: टाटा समूह
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक
- व्यवसाय: इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्धचालक उत्पादों का निर्माण करता है और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाएं प्रदान करता है।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) के बारे में:

- शुरू की: 2021
- नोडल मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)
- उद्देश्य: वित्तीय और नीतिगत समर्थन के माध्यम से भारत में एक मजबूत सेमीकंडक्टर विकसित करना और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदर्शित करना।

महत्व

- इस परियोजना से भारत की सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, आयात निर्भरता को कम करने, उन्नत प्रौद्योगिकी निवेश को आकर्षित करने, कुशल रोजगार सृजित करने और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण का समर्थन करने की उम्मीद है।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- अर्धचालक: स्मार्टफोन, कंप्यूटर, वाहन, चिकित्सा उपकरण और रक्षा प्रणालियों जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक घटक।
- धोलेरा सर: भारत के नियोजित स्मार्ट औद्योगिक शहरों में से एक और एक प्रमुख सेमीकंडक्टर विनिर्माण केंद्र विकसित किया जा रहा है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM): वैश्विक और घरेलू सेमीकंडक्टर निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करता है।	- प्रौद्योगिकी: परिपक्व-नोड (पुरानी पीढ़ी) अर्धचालक प्रौद्योगिकी - मिशन: भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) - नोडल मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) - उद्देश्य: घरेलू सेमीकंडक्टर विनिर्माण को बढ़ावा देना और आयात निर्भरता को कम करना।
परीक्षा फोकस पॉइंट	
- कंपनी: टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स - परियोजना: भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन (फैब) संयंत्र - स्थान: धोलेरा सर, गुजरात	

प्रायोगिक तपेदिक (टीबी) वैक्सीन विकसित करने के लिए सीरम इंस्टीट्यूट ने गेट्स एमआरआई के साथ साझेदारी की



यह खबरों में क्यों है?

- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) ने गेट्स मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (गेट्स एमआरआई) के साथ साझेदारी की है ताकि प्रायोगिक तपेदिक (टीबी) वैक्सीन का निर्माण और आपूर्ति की जा सके। साझेदारी का उद्देश्य विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में एक सस्ती और प्रभावी टीबी वैक्सीन तक वैश्विक पहुंच में सुधार करना है।

मुख्य विचार

- संगठन: सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) - पार्टनर: गेट्स मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (गेट्स एमआरआई) - रोग: क्षय रोग (टीबी) - वैक्सीन उम्मीदवार: M72/AS01E (प्रायोगिक टीबी वैक्सीन) - उद्देश्य: यदि अनुमोदित हो तो दुनिया भर में एक किफायती टीबी वैक्सीन का निर्माण और आपूर्ति करना। - वर्तमान स्थिति: वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों से गुजर रहा है। - लक्षित देश: मुख्य रूप से उच्च टीबी बोझ वाले निम्न और मध्यम आय वाले देश।
--

M72/AS01E वैक्सीन के बारे में

- प्रकार: प्रायोगिक तपेदिक (टीबी) टीका।

- उद्देश्य: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस से संक्रमित वयस्कों में फुफ्फुसीय टीबी को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया।
- विकास: मूल रूप से ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) द्वारा विकसित किया गया था, जिसमें गेट्स एमआरआई के नेतृत्व में आगे का विकास हुआ था।
- नैदानिक चरण: वर्तमान में तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों में है।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII) के बारे में

- मुख्यालय: पुणे, महाराष्ट्र। - स्थापित: 1966। - संस्थापक: डॉ. साइरस पूनावाला। - सीईओ: अदार पूनावाला। - महत्व: उत्पादित खुराक की संख्या के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन निर्माता।

गेट्स मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (गेट्स एमआरआई) के बारे में

- स्थापित: 2022। - मुख्यालय: कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स, संयुक्त राज्य अमेरिका। - द्वारा समर्थित: बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन। - उद्देश्य: उन बीमारियों के लिए किफायती टीके और उपचार विकसित करना जो मुख्य रूप से कम आय वाले देशों को प्रभावित करते हैं।

क्षय रोग (टीबी) के बारे में

- कारण: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस जीवाणु। - संचरण: जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता है, छींकता है या बोलता है तो हवा के माध्यम से फैलता है। - प्रभावित अंग: मुख्य रूप से फेफड़े, लेकिन यह अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

- वैश्विक लक्ष्य: WHO की टीबी उन्मूलन रणनीति के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में टीबी को खत्म करना।

- WHO की टीबी समाप्त करने की रणनीति: इसका उद्देश्य बेहतर रोकथाम, निदान और उपचार के माध्यम से 2035 तक वैश्विक टीबी महामारी को समाप्त करना है।

महत्व

- इस साझेदारी से नए टीबी टीके के उत्पादन और वैश्विक उपलब्धता में तेजी आने की उम्मीद है यदि नैदानिक परीक्षण सफल होते हैं। यह टीबी से संबंधित बीमारी और मौतों को काफी कम कर सकता है, खासकर भारत जैसे उच्च बीमारी के बोझ वाले देशों में।

अतिरिक्त मुख्य तथ्य

- भारत: तपेदिक के मामलों का दुनिया में सबसे अधिक बोझ है।
- बीसीजी वैक्सीन: वर्तमान में एकमात्र लाइसेंस प्राप्त टीबी टीका, जो मुख्य रूप से बच्चों को टीबी के गंभीर रूपों से बचाता है।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- संगठन: सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई)
- पार्टनर: गेट्स मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (गेट्स एमआरआई)
- वैक्सीन उम्मीदवार: M72/AS01E
- रोग: क्षय रोग (टीबी)
- नैदानिक चरण: चरण III परीक्षण

The

लेट्स रिवाइज

ACHIEVERS
IAS ACADEMY

- ❖ कौन सा यूरोपीय देश जुलाई 2026 में डिजिटलीकरण, AI, 6G, क्वांटम प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर और उभरते क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने के लिए भारत के साथ सहमत हुआ? **फ़िनलैंड**
- ❖ किस भारतीय संगठन ने बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय मानकीकरण निकायों के 5 वें ब्रिक्स प्रमुखों की बैठक के दौरान मानकीकरण में सहयोग पर ब्रिक्स समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने में देश का प्रतिनिधित्व किया? **भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)**
- ❖ संविधान का कौन सा अनुच्छेद सर्वोच्च न्यायालय को "पूर्ण न्याय" करने के लिए आवश्यक कोई भी डिक्ली या आदेश पारित करने का अधिकार देता है, एक शक्ति जिसका उपयोग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की शीघ्र रिहाई के लिए एक नीति तैयार करने का निर्देश देने में किया जाता है? **भारत के संविधान का अनुच्छेद 142।**
- ❖ भारतीय रिजर्व बैंक का वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-इंडेक्स) निम्नलिखित तीन आयामों में से किस के आधार पर वित्तीय समावेशन को मापता है? **पहुंच, उपयोग और गुणवत्ता।**
- ❖ हाल ही में खबरों में नजर आ रहे सेरही कोरेत्स्की को किस देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है? **यूक्रेन।**

- ❖ किस देश ने जुलाई 2026 में सऊदी अरब को लगभग 2 बिलियन डॉलर की हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी? **संयुक्त राज्य अमेरिका (US)**
- ❖ सऊदी अरब के लिए अमेरिका द्वारा अनुमोदित हथियारों की बिक्री का मूल्य क्या है? **लगभग \$1.96 बिलियन**
- ❖ सऊदी अरब के लिए स्वीकृत हथियार पैकेज में कौन सी हथियार प्रणाली शामिल है? **उन्नत प्रेसिजन किल वेपन सिस्टम (APKWS) II**
- ❖ इस्लाम के किस प्रसिद्ध अमेरिकी विद्वान का जुलाई 2026 में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया? **जॉन एल. एस्पोजिटो**
- ❖ जॉन एल. एस्पोजिटो को किस विषय पर उनके शोध के लिए व्यापक रूप से जाना जाता था? **इस्लाम और मुस्लिम-ईसाई संबंध**
- ❖ इस्लाम पर कौन सी प्रसिद्ध पुस्तक जॉन एल. एस्पोजिटो द्वारा लिखी गई थी? **इस्लाम: सीधा रास्ता**
- ❖ किस संगठन ने रिलायंस जियो के 1,600-उपग्रह लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) नक्षत्र परियोजना को मंजूरी दी? **भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस)**
- ❖ किस कंपनी को भारत में 1,600-उपग्रह LEO तारामंडल स्थापित करने की मंजूरी मिली? **रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म लिमिटेड**
- ❖ रिलायंस जियो के एलईओ उपग्रह तारामंडल परियोजना के तहत कितने उपग्रह प्रस्तावित हैं? **1,600 उपग्रहों तक**
- ❖ कौन सी कंपनी भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन (फैब) संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है? **टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स**
- ❖ टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत का पहला सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन प्लांट कहाँ स्थापित करेगा? **धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर), गुजरात**
- ❖ किस भारतीय वैक्सीन निर्माता ने प्रायोगिक टीबी वैक्सीन विकसित करने के लिए गेट्स मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ भागीदारी की? **सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई)**
- ❖ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने प्रायोगिक तपेदिक के टीके के निर्माण के लिए किस संगठन के साथ भागीदारी की है? **गेट्स मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (गेट्स एमआरआई)**
- ❖ तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षणों के तहत प्रायोगिक तपेदिक के टीके का नाम क्या है? **एम72/एस01ई**



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA